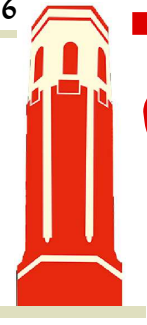


- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 269
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00



दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

तुनक तुनक तू

दलेर मेहंदी विवाद में मीका सिंह की एंट्री!

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के नरेंद्रनगर में कुंजापुरी मेले के दौरान पंजाबी गायक दलेर मेहंदी और कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल के बीच हुए घटनाक्रम ने अब नया मोड़ ले लिया है। दलेर मेहंदी के समर्थन में मशहूर गायक मीका सिंह उतर आए हैं। मीका ने दलेर मेहंदी के लंबे संगीत करियर का हवाला देते हुए मंत्री के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं।

पहाड़ के कलाकार हाशिये पर

- ◆ कुंजापुरी मेले में दलेर मेहंदी को बुलाने पर उठ गए हैं सवाल
- ◆ उत्तराखंड के कलाकारों को कब मिलेगा अपने घर में सम्मान



मीका ने उठाए मंत्री सुबोध उनियाल के व्यवहार पर सवाल

उनके बयान के बाद यह विवाद और चर्चा में आ गया है।

मीका सिंह ने दलेर मेहंदी के तीन दशक लंबे संगीत सफर का जिक्र करते हुए सवाल किया कि करीब 30 साल से सुपरस्टार रहे गायक को क्या कभी किसी ने शराब पीकर गाते हुए देखा है? मीका के इस बयान को दलेर मेहंदी के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, पूरे घटनाक्रम और मंच पर हुई बातचीत को लेकर अंतिम निष्कर्ष आधिकारिक तथ्यों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

कुंजापुरी मेले में दलेर मेहंदी की

प्रस्तुति के दौरान उनके नशे में होने को लेकर सवाल उठे थे। इसी बीच कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल की मंच पर टोका-टोकी चर्चा का विषय बन गई। अब मीका सिंह के बयान ने बहस को नया आयाम दे दिया है। मामला केवल मंच पर हुए घटनाक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कलाकार के सम्मान, सार्वजनिक मंच के व्यवहार और आयोजकों की जवाबदेही पर भी सवाल उठने लगे हैं।

मीका सिंह ने अपने बयान के जरिए दलेर मेहंदी के अनुभव और प्रतिष्ठा का

हवाला दिया है। दूसरी ओर, इस पूरे प्रकरण में मंच पर वास्तव में क्या हुआ, इस बारे में संबंधित पक्षों के आधिकारिक पक्ष और उपलब्ध तथ्यों को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

दलेर मेहंदी और सुबोध उनियाल के बीच हुए विवाद के साथ ही कुंजापुरी मेले में स्थानीय कलाकारों की भागीदारी का सवाल भी अहम है। उत्तराखंड की पहचान जागर, पांडव नृत्य, झोड़ा, चांचरी, छपेली और हुड़किया बोल जैसी समृद्ध लोकपरंपराओं से है। इन परंपराओं को जिंदा रखने वाले कलाकारों को अपने ही

प्रदेश के बड़े आयोजनों में कितना मंच और कितना सम्मान मिलता है, इस पर भी चर्चा जरूरी है।

दलेर मेहंदी को आमंत्रित करना अपने आप में गलत नहीं है। देश के दूसरे हिस्सों के कलाकारों को बुलाना किसी भी मेले का आकर्षण बढ़ा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या बड़े नामों के बीच उत्तराखंड की अपनी प्रतिभाओं को भी बराबर अवसर मिल रहे हैं? स्थानीय कलाकारों को कितने कार्यक्रम दिए गए, उन्हें कितना पारिश्रमिक मिला और कुल बजट में उनके लिए कितनी

राशि रखी गई? इन सवालों के जवाब सामने आने चाहिए।

कुंजापुरी मेले के घटनाक्रम ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि सार्वजनिक मंच पर अनुशासन और गरिमा बनाए रखने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। कलाकार, आयोजन समिति और कार्यक्रम प्रबंधनरक्षसभी की भूमिका स्पष्ट होनी चाहिए। यदि किसी कार्यक्रम पर सार्वजनिक धन खर्च किया जाता है, तो चयन प्रक्रिया, भुगतान और अनुबंध की शर्तों में पारदर्शिता भी जरूरी है। मीका सिंह के समर्थन के बाद दलेर मेहंदी से जुड़ा विवाद संगीत जगत से आगे निकलकर सार्वजनिक आयोजनों की कार्यप्रणाली पर बहस का विषय बन गया है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि संबंधित पक्ष इस घटनाक्रम पर क्या स्पष्टीकरण देते हैं और आयोजन समिति अपनी जिम्मेदारी को लेकर क्या रुख अपनाती है।

सबसे बड़ा सवाल अब भी वही है उत्तराखंड के मेलों में बाहरी सितारों की चमक के साथ पहाड़ के अपने लोककलाकारों को उनका हक कब मिलेगा? विवाद चाहे जिस दिशा में जाए, प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को जिंदा रखने वाले कलाकारों को मंच, सम्मान और उचित पारिश्रमिक मिलना भी उतना ही जरूरी है।

ब्लैकमेलर कथित पत्रकार गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रॉपर्टी डीलर को धमका कर पांच लाख रुपये मांगने वाले कथित पत्रकार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से तीन मोबाइल व एक ऐसी डायरी बरामद हुई है जिसमें उसके द्वारा कैमरा छुपाया गया था। आरोपी पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है जिस पर गुण्डा एक्ट सहित कई मुकदमें दर्ज हैं।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली पटेल नगर पर तनवीर खान पुत्र ताजमीर खान निवासी आजाद कॉलोनी माजरा थाना पटेल नगर देहरादून द्वारा तहरीर देकर बताया गया था कि वह विगत कई वर्षों से वह देहरादून में प्रॉपर्टी का काम कर रहे हैं तथा वर्तमान में चाँचक क्षेत्र की एक प्रॉपर्टी में उनका कुछ लोगो से विवाद चल रहा है। आज

प्रातः एक नंबर से उनके मोबाइल पर कई बार व्हाट्सएप कॉल आयी पर व्यस्त होने के कारण वह उक्त कॉल को नहीं उठा पाए, इसके पश्चात उक्त नंबर से उन्हें व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया तथा उक्त व्यक्ति द्वारा स्वयं को एक

◆ पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर बदमाश भी है आरोपी, प्रॉपर्टी डीलर को धमका कर मांगे थे पांच लाख रुपये

न्यूज प्लेटफार्म का संचालक बताते हुए उनसे प्रॉपर्टी के किसी मामले में संपर्क करने की बात बताई तथा कुछ समय उक्त नंबर से दोबारा व्हाट्सएप कॉल आने पर उनके द्वारा उक्त कॉल को रिसीव किया गया तो सामने वाले व्यक्ति द्वारा उन्हें फोन पर धमकाते हुए अपने पास उनकी प्रॉपर्टी से संबंधित कुछ खबरों



के होने तथा उसे अपने न्यूज चैनल पर चलाकर उनके लिए दिक्कतें खड़ी करने तथा उन्हें बर्बाद करने की धमकी दी गई व खबरें न चलाने के एवज में उनसे 5

लाख रुपये की मांग की गई। उक्त व्यक्ति की धमकी से डर कर उनके द्वारा उक्त व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराए गए एक्सिस बैंक के अकाउंट, जो अनुज अग्रवाल के नाम से था, में 50 हजार रुपये डाल दिए। पैसे डालने के बाद उक्त व्यक्ति से दोबारा संपर्क करने पर उक्त व्यक्ति द्वारा पूरे पैसे न देने पर उनके साथ गाली गलौज करते हुए उन्हें देख लेने व बर्बाद करने की धमकी दी गई। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने पर वादी से संपर्क करने वाले व्यक्ति की पहचान अनुज अग्रवाल के रूप में हुई, तथा उक्त व्यक्ति के द्वारा एक न्यूज प्लेटफार्म को संचालित किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त व्यक्ति

पर पहले भी धोखाधड़ी, बलवा, मारपीट, अमानत में खयनात, गुंडा एक्ट व गैंगस्टर एक्ट के तहत कई मुकदमें दर्ज हैं तथा वह कोतवाली पटेलनगर का हिस्ट्रीशीटर भी है। जिस पर पुलिस ने देर रात अनुज अग्रवाल पुत्र स्व. आर.एल. अग्रवाल निवासी बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल 129 द्वारिका पुरी, थाना क्लेमेंट टाउन, देहरादून, को आईएसबीटी के पास से गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से पुलिस टीम को 3 मोबाइल फोन व 1 डायरी बरामद हुई। बरामद डायरी देखने पर पता चला कि उसमें गोपनीय रूप से मोबाइल को छुपाने के लिए चैम्बर भी बनाया गया था। जिसमें पुलिस को कई व्यक्तियों के गोपनीय रूप से बनाए गए वीडियो प्राप्त हुए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

फ्रांस इतना लाचार क्यों?

दुनिया की राजनीति में इससे बड़ा विरोधाभास क्या होगा कि परमाणु हथियारों से लैस एक देश, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य और यूरोप की प्रमुख सैन्य शक्तियों में शामिल फ्रांस, अंतरराष्ट्रीय संकटों के सामने कई बार ऐसा असहाय दिखाई देता है, मानो उसके पास कहने के लिए शब्द तो हैं, लेकिन मनवाने के लिए ताकत नहीं। सवाल यह नहीं कि फ्रांस कमजोर देश है। सवाल यह है कि इतनी ताकत होने के बावजूद उसकी बात का असर पहले जैसा क्यों नहीं रहा? उसकी चेतावनियां निर्णायक कार्रवाई में क्यों नहीं बदल पाती? और जिस फ्रांस ने कभी दुनिया को अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति का लोहा मनवाया था, वह आज बार-बार दूसरों की रणनीति के हिसाब से चलने को मजबूर क्यों नजर आता है? यह फ्रांस की सैन्य क्षमता से ज्यादा उसके राजनीतिक नेतृत्व, कूटनीतिक प्राथमिकताओं और बदलती वैश्विक व्यवस्था की परीक्षा है। दुनिया में शक्ति का केंद्र बदल रहा है, लेकिन फ्रांस का नेतृत्व अभी भी उस प्रभाव को बचाने की जद्दोजहद में उलझा है, जिसे वह लंबे समय से अपना स्वाभाविक अधिकार मानता रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश की हैसियत उसके बयानों से नहीं, बल्कि उन बयानों के परिणामों से तय होती है। फ्रांस के पास परमाणु हथियार हैं, आधुनिक युद्धक विमान हैं, मजबूत सैन्य ढांचा है और वीटो का अधिकार भी। इसके बावजूद अनेक वैश्विक संकटों में उसकी भूमिका अक्सर बयान जारी करने, सहयोगियों को समझाने और कूटनीतिक पहल करने तक सीमित दिखाई देती है। यहां सवाल उठता है कि क्या फ्रांस अपनी शक्ति का इस्तेमाल करने में हिचकता है या फिर उसकी शक्ति अब उन राजनीतिक परिणामों की गारंटी नहीं देती, जिनकी अपेक्षा उससे की जाती है? सच्चाई यह है कि आज किसी एक देश के लिए अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की दिशा अपनी मर्जी से तय करना आसान नहीं है। लेकिन यही तो नेतृत्व की असली कसौटी है। अगर कोई देश वैश्विक नेतृत्व का दावा करता है, तो उसे केवल चिंता जताने और अपील करने से आगे बढ़कर अपने उद्देश्यों के लिए ठोस रणनीति भी प्रस्तुत करनी होगी। फ्रांस की परेशानी यह है कि उसकी महत्वाकांक्षाएं कई बार उसकी वास्तविक राजनीतिक और सामरिक क्षमता से बड़ी दिखाई देती हैं। फ्रांस लंबे समय से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता की वकालत करता रहा है। उसका तर्क है कि यूरोप को अपनी सुरक्षा और विदेश नीति के फैसले लेने के लिए हर बार अमेरिका की ओर नहीं देखना चाहिए। सुनने में यह विचार जितना आकर्षक है, उसे जमीन पर उतारना उतना ही कठिन साबित हो रहा है। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की सुरक्षा संबंधी निर्भरता को उजागर किया है। अमेरिकी सैन्य क्षमता, खुफिया सहयोग और रक्षा संसाधनों के बिना यूरोपीय सुरक्षा व्यवस्था की सीमाएं सामने आती हैं। ऐसे में फ्रांस का स्वतंत्र यूरोपीय शक्ति बनने का सपना बार-बार व्यावहारिक कठिनाइयों से टकराता है। यही फ्रांस की सबसे बड़ी विडंबना है। वह अमेरिका की बराबरी में खड़े होने की बात करता है, लेकिन यूरोप को ऐसी सामूहिक ताकत में बदलने में अब तक निर्णायक सफलता नहीं मिली है, जो वाशिंगटन पर निर्भरता घटा सके। सवाल सीधा है कि अगर यूरोप अपनी सुरक्षा के लिए दूसरों पर निर्भर रहेगा, तो उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता आखिर किस काम की? फ्रांस की वैश्विक हैसियत को सबसे गहरी चुनौती अफ्रीका में मिली है। जिन देशों में कभी फ्रांसीसी राजनीतिक, सैन्य और आर्थिक प्रभाव मजबूत था, वहां अब उस प्रभाव के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ा है। कई अफ्रीकी देशों से फ्रांसीसी सैनिकों की वापसी हुई है और पारंपरिक संबंधों पर नए सिरे से सवाल उठे हैं। इसे केवल रूस या चीन की बढ़ती सक्रियता का परिणाम बताकर फ्रांस अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। इसके पीछे औपनिवेशिक अतीत की विरासत, स्थानीय संप्रभुता की आकांक्षा और पुराने शक्ति-संबंधों से असंतोष भी है। फ्रांस शायद लंबे समय तक यह मानकर चलता रहा कि ऐतिहासिक संबंध अपने आप राजनीतिक प्रभाव की गारंटी देते रहेंगे। लेकिन नई पीढ़ी का अफ्रीका पुराने समीकरणों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। वहां के देश अब अपने हितों के आधार पर साझेदार चुनना चाहते हैं। फ्रांस को यह समझना होगा कि वैश्विक प्रतिष्ठा केवल राष्ट्रपति के भाषणों से नहीं बचती। उसे मजबूत अर्थव्यवस्था, राजनीतिक स्थिरता और नागरिकों के भरोसे की जरूरत होती है। घर की मुश्किलों से आंखें मूंदकर दुनिया को नेतृत्व का पाठ पढ़ाना किसी भी देश के लिए आसान नहीं हो सकता। फ्रांस की समस्या यह भी है कि वह एक बदलती दुनिया में अपनी पुरानी प्रतिष्ठा को नए सिरे से परिभाषित करने की चुनौती का सामना कर रहा है। अब दुनिया केवल अमेरिका और यूरोप की धुरी पर नहीं घूमती। चीन की आर्थिक और तकनीकी शक्ति, रूस की सैन्य भूमिका तथा एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के देशों की बढ़ती स्वतंत्रता ने वैश्विक राजनीति को अधिक जटिल बना दिया है। इस नई व्यवस्था में किसी देश की पुरानी प्रतिष्ठा उसे स्थायी बढ़त नहीं दिला सकती। हर साझेदारी को नए सिरे से अर्जित करना पड़ता है और हर रणनीति को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप साबित करना पड़ता है। फ्रांस यदि अपनी ऐतिहासिक भूमिका को ही वर्तमान प्रभाव का प्रमाण मानता रहेगा, तो उसे बार-बार निराशा हाथ लगेगी। दुनिया बदल रही है और उसके साथ शक्ति के मानदंड भी बदल रहे हैं। अब केवल परमाणु हथियार, वीटो और औपनिवेशिक अतीत किसी देश को निर्णायक नहीं बना सकते। फ्रांस को लाचार कहना शायद अतिशयोक्ति हो, लेकिन उसकी सीमाओं को नजरअंदाज करना भी आत्मछल होगा। वह आज भी एक बड़ी शक्ति है, मगर बड़ी शक्ति होना और दुनिया को अपनी दिशा में चलाने की क्षमता रखना अलग-अलग बातें हैं।

क्षेत्रीय अस्मिता को धार देगा 'यूकेडी'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की सियासी बिसात बिछने के साथ ही उत्तराखंड क्रांति दल ने भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। राज्य आंदोलन की विरासत और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों को केंद्र में रखकर यूकेडी चुनावी मैदान में अपनी खोई ताकत वापस पाने की तैयारी में जुट गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता काशी सिंह ऐरी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए मिशन 2027 के लिए कमर कसने का आह्वान किया। उनके तेवरों से साफ है कि दल आगामी विधानसभा चुनाव को केवल राजनीतिक भागीदारी नहीं, बल्कि उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीति में अपनी निर्णायक वापसी के अवसर के रूप में देख रहा है।

यूकेडी के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा और कांग्रेस के बीच सिमटी प्रदेश की राजनीति में अपनी स्वतंत्र पहचान को फिर से मजबूत करने की है। राज्य गठन के आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले इस दल के पास क्षेत्रीय मुद्दों की लंबी फेहरिस्त है, लेकिन आंदोलन की ताकत को चुनावी सफलता में बदलना उसके लिए अब तक कठिन रहा है। ऐसे में मिशन 2027 की तैयारी पार्टी के लिए राजनीतिक अस्तित्व, संगठनात्मक मजबूती और जनाधार की परीक्षा भी है।

यूकेडी की राजनीति की बुनियाद उत्तराखंड की अस्मिता, जल-जंगल-जमीन, मूल निवास, भू-कानून, पलायन, बेरोजगारी और पहाड़ों के संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार जैसे मुद्दों पर रही है। पार्टी इन सवालियों के जरिए भाजपा और कांग्रेस दोनों को कठघरे में खड़ा करने की रणनीति अपना सकती है। दल का तर्क रहा है कि अलग राज्य की स्थापना के पीछे जिस पहाड़-केंद्रित विकास और स्थानीय हितों की रक्षा का सपना था, वह



◆ राज्य आंदोलन की विरासत और क्षेत्रीय मुद्दों के सहारे खोई हुई जमीन तलाशने में जुटा यूकेडी
◆ वरिष्ठ नेता काशी सिंह ऐरी के आह्वान से कार्यकर्ताओं में बढ़ा जोश, 2027 के लिए कसी कमर
◆ सत्ता की जंग में क्षेत्रीय अस्मिता का दांव, भाजपा-कांग्रेस के सामने तीसरी ताकत बनने की चुनौती

अब भी पूरी तरह साकार नहीं हो पाया है। प्रदेश में रोजगार, पलायन और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की चुनौतियां क्षेत्रीय दल के लिए राजनीतिक अवसर पैदा करती हैं। लेकिन केवल मुद्दे उठाना पर्याप्त नहीं होगा। यूकेडी को यह भी साबित करना होगा कि उसके पास इन समस्याओं का व्यावहारिक समाधान और उन्हें लागू कराने की राजनीतिक क्षमता है।

काशी सिंह ऐरी यूकेडी के उन वरिष्ठ नेताओं में हैं, जिनकी पहचान उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीति और राज्य आंदोलन से जुड़ी रही है। ऐसे में कार्यकर्ताओं के बीच उनका संदेश पार्टी की चुनावी तैयारियों को दिशा देने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। मिशन 2027 में दल की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि नेतृत्व कार्यकर्ताओं के उत्साह को बूथ स्तर की सक्रियता, जनसंपर्क और मजबूत चुनावी संगठन में कितना बदल पाता है। यूकेडी को अपने पुराने समर्थकों को फिर से जोड़ने के साथ युवाओं और नए मतदाताओं तक भी पहुंच बनानी होगी। पहाड़ के सवालियों पर मुखर राजनीति करने वाले युवाओं को संगठन से जोड़ना और स्थानीय मुद्दों को चुनावी

अभियान का केंद्र बनाना पार्टी के लिए अहम होगा।

उत्तराखंड की राजनीति में क्षेत्रीय दल के सामने सबसे बड़ी बाधा भाजपा और कांग्रेस का मजबूत चुनावी ढांचा है। दोनों राष्ट्रीय दलों के पास संसाधन, संगठन और प्रदेशव्यापी राजनीतिक पहुंच है। इसके मुकाबले यूकेडी को सीमित जनाधार और संगठनात्मक कमजोरियों से पार पाना होगा। दल के लिए चुनौती यह भी है कि क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों पर राजनीतिक समर्थन को वोटों में कैसे बदला जाए। मतदाता यदि स्थानीय समस्याओं पर यूकेडी की बातों से सहमत भी हों, तब भी चुनाव में जीत की संभावना, प्रत्याशी की मजबूती और सत्ता में भागीदारी जैसे सवाल उनके निर्णय को प्रभावित करते हैं।

ऐसे में यूकेडी को स्पष्ट चुनावी रणनीति, मजबूत उम्मीदवारों और सीटवार तैयारी पर ध्यान देना होगा। यदि पार्टी केवल भाजपा-कांग्रेस विरोध तक सीमित रहती है, तो उसके सामने प्रभावी तीसरी ताकत बनने की राह कठिन रहेगी। यूकेडी के लिए आगामी विधानसभा चुनाव महज सीटें हासिल करने का अवसर नहीं, बल्कि यह साबित करने की लड़ाई भी है कि उत्तराखंड की राजनीति में क्षेत्रीय सवालों की प्रासंगिकता अब भी कायम है। काशी सिंह ऐरी का कार्यकर्ताओं में जोश भरना इसी राजनीतिक तैयारी का हिस्सा है। हालांकि, चुनावी परिणामों पर असर डालने के लिए इस उत्साह को ठोस संगठनात्मक काम में बदलना जरूरी होगा। सवाल यही है कि क्या यूकेडी 2027 में राज्य आंदोलन की विरासत को चुनावी ताकत में बदल पाएगा, या फिर क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे भाजपा-कांग्रेस की सियासी जंग के बीच ही सीमित रह जाएंगे? इसका जवाब पार्टी की घोषणाओं से अधिक उसके संगठन, जनसंपर्क और चुनावी मैदान में प्रदर्शन से तय होगा।

सत्ता के गलियारों में 'घरेलू हिंसा'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में महिला सुरक्षा और घरेलू हिंसा का मुद्दा एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या से जुड़े घरेलू विवाद और उनके पति गिरधारी लाल साहू के खिलाफ शिकायत की खबरों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय और महिला सशक्तीकरण से जुड़े मुद्दों पर सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाली मंत्री से जुड़ा यह मामला कई सवाल खड़े करता है।

मामले को लेकर सामने आई जानकारी के अनुसार, रेखा आर्या ने अपने पति के खिलाफ कैंट थाने में शिकायत दी थी। उनके भावनात्मक वीडियो और स्वास्थ्य संबंधी घटनाक्रम की खबरों ने भी इस प्रकरण को चर्चा में ला दिया। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की प्रकृति, उनकी पुष्टि और पुलिस की जांच की स्थिति के बारे में आधिकारिक तथ्यों के आधार पर ही कोई अंतिम निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

यह मामला केवल एक मंत्री के निजी जीवन से जुड़ा विवाद नहीं रह जाता, बल्कि

महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा की शिकायतों पर कार्रवाई और कानून के समान अनुपालन जैसे व्यापक सवाल भी सामने लाता है। आम महिलाओं को घरेलू हिंसा की स्थिति में न्याय पाने के लिए कई सामाजिक और पारिवारिक चुनौतियों का

◆ कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के मामले ने बढ़ाई सियासी हलचल
◆ प्रदेश में महिला सुरक्षा और घरेलू हिंसा के मुद्दे पर उठे सवाल
◆ सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की सुरक्षा पर जेत हो गई बहस

सामना करना पड़ता है। ऐसे में किसी प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तित्व से जुड़ा मामला स्वाभाविक रूप से सार्वजनिक चर्चा का विषय बनता है। लेकिन कानून की कसौटी पर किसी व्यक्ति की हैसियत नहीं, बल्कि शिकायत के तथ्य और उपलब्ध साक्ष्य महत्वपूर्ण होने चाहिए। यदि शिकायत दर्ज हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलना जरूरी है।

रेखा आर्या से जुड़ा मामला भाजपा सरकार के लिए भी असहज सवाल पैदा

कर सकता है। विपक्ष इस प्रकरण को महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार को घेरने के अवसर के रूप में देख सकता है। दूसरी ओर, मामले में किसी भी पक्ष के विरुद्ध निष्कर्ष जांच और प्रमाणों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। इस प्रकरण का राजनीतिक असर इस बात पर भी निर्भर करेगा कि शिकायत में क्या आरोप लगाए गए हैं, पुलिस ने अब तक क्या कार्रवाई की है और संबंधित पक्षों की ओर से क्या आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आती है।

घरेलू हिंसा के किसी भी मामले में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न पीड़ित पक्ष की सुरक्षा, शिकायत की निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया का पालन है। राजनीतिक पद या सामाजिक प्रतिष्ठा किसी को कानून से ऊपर नहीं रख सकती, लेकिन केवल आरोप के आधार पर किसी को दोषी भी नहीं ठहराया जा सकता। रेखा आर्या प्रकरण ने एक बार फिर यह सवाल सामने रखा है कि महिला सुरक्षा की कसौटी पर व्यवस्था कितनी निष्पक्ष और जवाबदेह है। इस सवाल का संतोषजनक उत्तर बयानबाजी से नहीं, बल्कि तथ्यों, पारदर्शी जांच और कानून के अनुरूप कार्रवाई से ही मिलेगा।

सिलक्यारा सुरंग के मुहाने पर बने बाबा बौखनाग का भव्य मंदिर

उत्तरकाशी(आरएनएस)। यमुनोत्री हाईवे पर पौल गांव से सिलक्यारा तक निर्माणाधीन सुरंग के बड़कोट छोर पर क्षेत्र के आराध्य देव बाबा बौखनाग का मंदिर बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। यमुनोत्री धाम के प्रवेश द्वार बड़कोट में सुरंग के मुहाने पर मंदिर बनने से स्थानीय लोगों की आस्था को सम्मान मिलने के साथ ही यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भी बाबा के दर्शन का अवसर मिल सकेगा। क्षेत्रवासियों का मानना है कि सुरंग निर्माण से बड़कोट की अहमियत और बढ़ेगी। ऐसे में पौल गांव के समीप प्रवेश द्वार पर बाबा बौखनाग का मंदिर स्थापित होने से क्षेत्र की धार्मिक पहचान को नई मजबूती मिल सकती है। चारधाम यात्रा के दौरान इस मार्ग से गुजरने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह स्थल आस्था का केंद्र बन सकता है। इसी मांग को लेकर ग्राम भाटिया, बड़कोट स्थित बाबा बौखनाग देव समिति ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा है। समिति ने सुरंग के प्रवेश द्वार पर मंदिर निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। समिति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पर्यटन विभाग को आवश्यक कार्यवाई के निर्देश दिए हैं। समिति अध्यक्ष जयेन्द्र सिंह रावत, संरक्षक यशवंत सिंह रावत और सचिव गोपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि बाबा बौखनाग क्षेत्र के लोगों के आराध्य देव हैं। सुरंग के समीप मंदिर बनने से स्थानीय धार्मिक आस्था को सम्मान मिलेगा और चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को भी दर्शन की सुविधा मिल सकेगी।

मधुमक्खियां गायब, हाथियों को रोकने वाली बाड़ बनी शोपीस

कोटद्वार(आरएनएस)। लैंसडौन वन प्रभाग की दुगड्डा रेंज से सटे आमसौड़ गांव में मानव-हाथी संघर्ष रोकने के लिए बनाई गई 1.5 किलोमीटर लंबी मधुमक्खी बाड़ (बी-फेंसिंग) रखरखाव के अभाव में निष्प्रभावी हो गई है। करीब 10 लाख रुपये की लागत से तैयार इस तारबाड़ के बॉक्स मधुमक्खियों के अभाव में खाली पड़े हैं। वहीं, हाथियों के झुंड गांव में पहुंचकर काशतकारों की फसलों और बगीचों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। योजना के तहत बाड़ पर मधुमक्खियों के 98 बॉक्स लगाए गए थे। इसका उद्देश्य मधुमक्खियों की भिनभिनाहट और डंक के डर से हाथियों को खेतों और आबादी की ओर आने से रोकना था। साथ ही काशतकारों की आजीविका में वृद्धि करना था, लेकिन उचित देखरेख और नियमित रखरखाव नहीं होने से बॉक्स में मधुमक्खियां डालने के कुछ दिन बाद ही गायब हो गईं। सामाजिक कार्यकर्ता इंद्रमोहन जुयाल ने बताया कि मधुमक्खियां गायब होने से लाखों रुपये की लागत से तैयार बी-फेंसिंग शोपीस बनकर रह गई है।

हल्द्वखाता तल्ला में बनेगा 675 करोड़ का 400 केवी विद्युत उपकेंद्र

कोटद्वार(आरएनएस)। कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के हल्द्वखाता तल्ला में 675 करोड़ की लागत से 400 केवी क्षमता का विद्युत उपकेंद्र प्रस्तावित है। विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी की पहल पर प्रस्तावित यह उपकेंद्र उत्तराखंड का चौथा सबसे बड़ा विद्युत उपकेंद्र होगा। इसके निर्माण से कोटद्वार सहित पौड़ी जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में कोटद्वार क्षेत्र को सतपुली स्थित विद्युत उपकेंद्र से बिजली की आपूर्ति की जा रही है। नए उपकेंद्र के निर्माण से विद्युत आपूर्ति की क्षमता और गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही भविष्य में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। इस परियोजना से सिगड्डी ग्रोथ सेंटर को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है। औद्योगिक क्षेत्र को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने में मदद मिलने से औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर विकसित होने की भी संभावना है। विधायक ऋतु खंडूड़ी के माध्यम से परियोजना का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव पर संबंधित विभागों की संस्तुतियां भी प्राप्त हो चुकी हैं। परियोजना को कोटद्वार और पौड़ी गढ़वाल की भविष्य की विद्युत जरूरतों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विधायक ऋतु खंडूड़ी ने कहा कि कोटद्वार का सर्वांगीण विकास और क्षेत्रवासियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। 400 केवी विद्युत उपकेंद्र बनने से आमजन को बेहतर बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा। साथ ही सिगड्डी ग्रोथ सेंटर समेत पूरे क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। कोटद्वार को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञा पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो सांध्य दैनिक दून वैली मेल के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

महानवमी नारी के दिव्य स्वरूप के वंदन का पर्व है: सलूजा

संवाददाता

देहरादून। गुरविन्द्र सलूजा ने कहा कि महानवमी नारी के दिव्य स्वरूप के वंदन का पर्व है।

आज यहां महानवमी, शक्ति की आराधना, मातृशक्ति के सम्मान और नारी के दिव्य स्वरूप के वंदन का पावन पर्व है। महानवमी के पावन अवसर पर मां कात्यायनी मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन किया गया। मंदिर के व्यवस्थापक गुरविंदर सलूजा ने कन्याओं को भोजन कराया। व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवरात्रि की आध्यात्मिक चेतना को समाज के जीवन में उतारने का संदेश देते हुए गुरविंदर सलूजा ने कहा कि कन्या पूजन भारतीय संस्कृति की एक अत्यंत सुंदर आध्यात्मिक परंपरा है। यह हमें स्मरण कराती है कि नारी केवल सम्मान की पात्र नहीं, बल्कि सृजन, संवेदना, शक्ति, ज्ञान और करुणा की जीवंत अभिव्यक्ति है। किंतु इस आराधना की पूर्णता तभी है, जब पूजा के समय कन्या में देवी का दर्शन करने वाला समाज जीवन के प्रत्येक दिन भी बेटियों की गरिमा, अधिकारों और संभावनाओं का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि “कन्याओं को केवल जिमाएँ नहीं, उन्हें जमाएँ भी; उन्हें अपने पैरों पर खड़ा भी करें। उन्हें शिक्षा दें, सम्मान दें, पहचान दें, सुरक्षा दें और बराबरी का स्थान दें। उनके सपनों को पंख दें, उनकी प्रतिभा को अवसर दें और उनके आत्मविश्वास को इतना सशक्त बनाएँ कि वे अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सकें। सलूजा ने कहा कि यदि हम कन्या



को देवी मानते हैं, तो उसकी शिक्षा को भी पूजा का स्वरूप देना होगा। यदि हम उसमें माँ दुर्गा की शक्ति देखते हैं, तो उसके आत्मविश्वास और स्वावलंबन को भी शक्ति का रूप मानना होगा। और यदि हम उसके चरणों में श्रद्धा अर्पित करते हैं, तो उसके मार्ग से भेदभाव, भय, असुरक्षा और अवसरों की असमानता को दूर करने का संकल्प भी लेना होगा। उन्होंने कहा कि नवरात्रि में हम माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं। ये स्वरूप हमें शक्ति, ज्ञान, धैर्य, करुणा, साहस, पवित्रता और सिद्धि जैसे दिव्य गुणों की प्रेरणा देते हैं। इन गुणों का वास्तविक सम्मान तभी है, जब हम इन्हें अपने व्यवहार और सामाजिक व्यवस्था में स्थान दें। देवी की आराधना हमें केवल मंदिर तक सीमित नहीं रखती; वह हमारे घरों, विद्यालयों, कार्यस्थलों और समाज में भी हमारे आचरण को अधिक संवेदनशील, न्यायपूर्ण और

मानवीय बनाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ाने का अर्थ केवल उन्हें अवसर देना नहीं, बल्कि उन बाधाओं को भी दूर करना है, जो उनके सपनों की राह में खड़ी होती हैं। परिवार में उनके विचारों को सुनना, उनकी शिक्षा को प्राथमिकता देना, उनकी क्षमताओं पर विश्वास करना, उन्हें निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी गरिमा तथा सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रत्येक परिवार और समाज का दायित्व है। उन्होंने कहा कि किसी भी बेटे की पहचान केवल पुत्री, बहन, पत्नी या माता होने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसकी अपनी प्रतिभा, अपनी चेतना, अपने सपने और अपनी स्वतंत्र पहचान भी है। उसे ऐसा वातावरण मिलना चाहिए, जहाँ वह अपनी योग्यता के अनुसार आगे बढ़ सके, अपनी क्षमताओं को पहचान सके और समाज के निर्माण में अपनी पूर्ण भागीदारी निभा सके।

उत्तराखण्ड न्याय यात्रा की तैयारियों को लेकर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बैठक आयोजित

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आगामी विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत प्रदेश में भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, बिगड़ती कानून व्यवस्था एवं प्रदेश की अन्य ज्वलंत समस्याओं को लेकर प्रस्तावित उत्तराखण्ड न्याय यात्रा की तैयारियों के सम्बन्ध में आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय, देहरादून में चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री प्रीतम सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह एवं पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला के नेतृत्व में देहरादून जनपद के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाने वाली उत्तराखण्ड न्याय यात्रा की विस्तृत रूपरेखा, यात्रा मार्ग, कार्यक्रमों के आयोजन तथा यात्रा को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड की भाजपा सरकार के शासनकाल में प्रदेश की जनता महंगाई,

बेरोजगारी, भ्रष्टाचार एवं बदहाल कानून व्यवस्था से त्रस्त है। प्रदेश का युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है, महिलाएं स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं तथा किसान, मजदूर, व्यापारी एवं आम नागरिक सरकार की जनविरोधी नीतियों से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता से किये गये वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड न्याय यात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता के अधिकारों, सम्मान और न्याय की लड़ाई का अभियान है। इस यात्रा के माध्यम से कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार की विफलताओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही आम जनता की समस्याओं को सुनेगी तथा उनके समाधान के लिए संघर्ष का संकल्प लेगी। उन्होंने कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों में प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का जवाब देने के लिए तैयार है। कांग्रेस पार्टी उत्तराखण्ड न्याय यात्रा के माध्यम से प्रदेश में परिवर्तन का संदेश घर-घर तक पहुंचाने का काम करेगी।

प्रीतम सिंह ने यह भी कहा कि उत्तराखण्ड न्याय यात्रा के माध्यम से

देहरादून जनपद के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ता जनता से सीधे 1 संवाद स्थापित करेंगे। यात्रा के दौरान स्थानीय समस्याओं, जनहित से जुड़े मुद्दों तथा भाजपा सरकार की विफलताओं को प्रमुखता से उठाया जायेगा। उन्होंने कहा कि यात्रा को व्यापक जनसमर्थन दिलाने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। बैठक में यात्रा के प्रस्तावित मार्ग, विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों, जनसभाओं, नुककड़ सभाओं तथा जनसम्पर्क अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही यात्रा के सफल संचालन के लिए सम्बन्धित विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में जोत सिंह गुनसोला, प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना, लालचन्द शर्मा, राजकुमार, प्रदेश कोषाध्यक्ष गोदावरी थापली, महामंत्री राजेन्द्र शाह, महामंत्री नवीन जोशी, महानगर अध्यक्ष जसविन्दर सिंह गोगी, संजय कुनौजिया, एससी विभाग अध्यक्ष मदन लाल, प्रदेश सचिव अमेन्द्र बिष्ट, सोनिया आनन्द, मोहन सिंह खत्री आदि शामिल थे।



प्रिय प्रदेशवासियों,

आप सभी को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

यह पर्व मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें एक श्रेष्ठ समाज और महान राष्ट्र के निर्माण की प्रेरणा देता है। आपके मुख्य सेवक के रूप में जनता की सेवा ही मेरे लिए प्रभु श्रीराम की सेवा है और उत्तराखण्ड का विकास ही मेरे लिए रामकाज है।

आइए, आज के पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि हम भारत के गणतन्त्री प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाएंगे।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड



सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarakhandinformation.gov.in | 011-26882000 | 011-26882000 | 011-26882000



Facebook | Twitter | YouTube

शराब के साथ महिला सहित दो गिरफ्तार

संवाददाता
देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने जंगलात बैरियर के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खड़ी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोड़ी दूरी पर ही पकड़ लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 24 पव्वे शराब के बरामद कर लिये।
पूछताछ में उसने अपना नाम राखी पत्नी सचिन निवासी नई जाटव बस्ती बताया। वहीं डोईवाला कोतवाली पुलिस ने नकरौदा के पास से एक को 48 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम कामेन्द्र पुत्र रामचंद्र निवासी पंवार एन्क्लेव नकरौंदा बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता
देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खड़ी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।
प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवा एन्क्लेव निवासी शुभम जोशी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खड़ी की थी लेकिन जब वह थोड़ी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।
पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दहेज उत्पीडन में पति सहित पांच नामजद

संवाददाता
देहरादून। पुलिस ने दहेज उत्पीडन के मामले में पति सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।
प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहुंवाला माफी निवासी गुलिस्ता ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह जौलीग्रांट निवासी समीर अली के साथ हुआ था। विवाह के कुछ दिनों बाद से ही उसके ससुराल वाले उसको दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। उसके साथ गाली गलौच मारपीट की जाने लगी। उसके परिवार वालों के समझाने के बाद भी उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। जब उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो उन्होंने उसको मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सू- दोकू क्र.064									
	9		1	6		2		7	
3									
		6					9		
7			5		1		3		
	8			9		6		2	
		4					7		
	3				2	9		6	
6		7	3					4	
	4			1		7	8		

नियम	सू-दोकू क्र.63का हल
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।	2 6 3 9 8 7 1 5 4
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।	8 5 1 3 2 4 6 7 9
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।	9 4 7 1 5 6 8 2 3
	3 9 8 6 7 1 5 4 2
	6 1 2 5 4 3 9 8 7
	5 7 4 8 9 2 3 1 6
	1 2 6 7 3 5 4 9 8
	4 8 5 2 6 9 7 3 1
	7 3 9 4 1 8 2 6 5

भाजपा में ‘टूट’ के संकेत...!

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड में 2०27 की सत्ता की जंग अभी दूर है, लेकिन सियासी शह-मात का खेल तेज हो गया है। भाजपा के पूर्व नेता रामशरण नौटियाल की कांग्रेस में वापसी के बाद अब एक और संभावित राजनीतिक उलटफेर के दावे ने भाजपा के सियासी गलियारों में हलचल बढ़ाने का माहौल बना दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत ने दावा किया है कि भाजपा का एक वरिष्ठ नेता लगातार उनके संपर्क में है। इतना ही नहीं, इस नेता के साथ दो-तीन दौर की बातचीत भी हो चुकी है। हरक के इस दावे ने उत्तराखंड की राजनीति में नया सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या 2०27 की लड़ाई से पहले भाजपा के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा, या कांग्रेस किसी बड़े राजनीतिक धमाके की पटकथा तैयार कर रही है? फिलहाल संबंधित नेता का नाम सामने नहीं आया है, लेकिन दावे ने संभावित दल-बदल को लेकर अटकलों को हवा दे दी है।

रामशरण नौटियाल की कांग्रेस में वापसी के बाद हरक सिंह रावत का नया दावा कांग्रेस के लिए राजनीतिक बढ़त का संदेश देने का अवसर बन गया है। पार्टी यह संकेत देना चाहेगी कि चुनाव से पहले भाजपा के नेताओं में भी नए राजनीतिक विकल्प तलाशने की प्रवृत्ति है। यदि हरक का दावा हकीकत में बदलता है, तो कांग्रेस इसे भाजपा के लिए मनोवैज्ञानिक झटके और अपने लिए सियासी संजीवनी के तौर पर पेश कर सकती है। भाजपा के लिए परेशानी केवल किसी एक नेता के संभावित पाला बदलने तक सीमित नहीं होगी। यदि संबंधित नेता का अपने क्षेत्र में प्रभाव और समर्थकों का मजबूत आधार है, तो इसका

24 अक्तूबर को यमकेश्वर में निकलेगी कांग्रेस न्याय यात्रा

ऋषिकेश(आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवक्ता और गढ़वाल जनपद कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी धीरेन्द्र प्रताप ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में होने वाली उत्तराखंड न्याय यात्रा 24 और 25 अक्टूबर को चौबटाखाल, यमकेश्वर ,कोटद्वार और लैंसडाउन विधानसभा क्षेत्र का दौरा करेगी।

फर्श पर बैठ डीएम ने सुनीं उमरैला के ग्रामीणों की समस्याएं

कोटद्वार(आरएनएस)। डीएम ने दुगड्डा ब्लॉक के उमरैला गांव पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। पंचायत घर में आयोजित बैठक में डीएम फर्श पर बैठकर ग्रामीणों से रूबरू हुईं।
ग्रामीणों ने सड़क की बदहाली, पेयजल संकट, पैदल रास्ते के निर्माण और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में द्वार स्थापित करने की मांग उठाई।डीएम स्वाति एस भदौरिया रविवार शाम एसडीएम संदीप कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित दुबड़िया समेत अन्य अधिकारियों के साथ गांव पहुंचीं। ग्राम प्रधान संगीता देवी ने उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने बताया कि ऐता-उमरैला-चरेख मोटर मार्ग

असर स्थानीय चुनावी समीकरणों पर भी पड़ सकता है। हालांकि, नेता की पहचान और उसके अगले कदम की पुष्टि के बिना किसी बड़े राजनीतिक नुकसान का निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

हरक सिंह रावत उत्तराखंड की राजनीति के उन नेताओं में हैं, जो अपने बयानों से चुनावी माहौल गरमाने का माद्दा रखते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता से दो-तीन बार बातचीत होने का दावा करके उन्होंने राजनीतिक चर्चा के केंद्र में एक ऐसा

◆हरक ने फेंका सियासी पासा, भाजपा की निगाहें किस पर
◆हरक सिंह रावत के बयान ने बढ़ाई भाजपा की मुश्किलें
◆भाजपा के वरिष्ठ नेता के संपर्क में होने का किया दावा
◆हरक का दावा-एक और दिग्गज नेता कांग्रेस के संपर्क में

सवाल ला दिया है, जिसका जवाब फिलहाल उनके पास ही माना जा रहा है। नाम उजागर नहीं होने से अटकलों का दायरा बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अहम तथ्य यही है कि बातचीत का दावा अभी कांग्रेस में औपचारिक शामिल होने की पुष्टि नहीं है। ऐसे में हरक का बयान एक संभावित राजनीतिक घटनाक्रम का संकेत तो देता है, लेकिन अंतिम तस्वीर सामने आना बाकी है।

विधानसभा चुनाव से पहले किसी दूसरे दल के वरिष्ठ नेता के संपर्क में होने का दावा राजनीतिक रूप से अहम होता है। इससे विरोधी दल के संगठन में असंतोष का संदेश देने और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। कांग्रेस के लिए यह दावा इसलिए भी

सिलोगी में बंदरों ने किशोरी पर किया हमला

कोटद्वार(आरएनएस)। द्वारीखाल ब्लॉक के सिलोगी क्षेत्र में बंदरों का उत्पात बढ़ता जा रहा है। सोमवार सुबह घर में ही किशोरी पर तीन बंदरों ने पीछे से हमला कर घायल कर दिया।
घटना के बाद से क्षेत्र के लोगों में दहशत है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द बंदरों को पकड़कर समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार सुबह बंदरों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। इस बीच बंदर अनिरुद्ध सिंह नेगी के घर में घुस गए। तीन बंदरों ने अनिरुद्ध की पुत्री अंजली पर हमला कर उसे घायल कर दिया। बंदर बाजार में दुकानदारों का सामान उठाकर ले जा रहे हैं।
ग्रामीणों ने बताया कि करीब दो माह पहले वन विभाग की टीम ने बंदरों को पकड़ने की कार्रवाई की थी लेकिन अब बंदरों का दूसरा झुंड बाजार में पहुंच गया इससे क्षेत्र में फिर से समस्या बढ़ गई है।

पेयजल पहुंचाने की बात कही। इंदु देवी ने बताया कि जुलाई 2०22 में वन्यजीव ने उनकी गाय को मार दिया था, लेकिन अब तक मुआवजा नहीं मिला। ग्रामीणों ने विद्यार्थियों से वाहन चालकों द्वारा अधिक किराया वसूलने की शिकायत भी की। इस पर डीएम ने आरटीओ को कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया।समाज कल्याण विभाग की ओर से चयनित दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, वॉकर, छड़ी और कान की मशीन वितरित की गई। डीएम ने सप्ताह के अंत में स्वास्थ्य शिविर लगाने की जानकारी दी। उन्होंने एसडीएम संदीप कुमार और बीडीओ बीडी रतूड़ी को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में हर्षोल्लास से मनाया दशहरा

कोटद्वार(आरएनएस)। गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में दशहरा पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सेंटर के अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों (जेसीओ), जवानों और उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।दशहरा पर्व पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सैन्य शस्त्रों, उपकरणों और वाहनों की पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही मनोरंजन, खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सेंटर कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी और परिवार कल्याण संगठन, गढ़वाल राइफल्स की चेयरपर्सन रेखा नेगी ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया।इस अवसर पर कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी और रेखा नेगी ने अधिकारियों, जेसीओ, जवानों तथा उनके परिवारजनों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व सत्य की असत्य पर और अच्छाई की बुराई पर विजय का संदेश देता है।

स्वामी संतोषानंद देव के जन्मोत्सव पर धर्म सम्मेलन, रक्तदान शिविर लगा

हरिद्वार(आरएनएस)। दुर्गा नवमी पर गुरुकुल कांगड़ी स्थित श्री अवधूत मंडल आश्रम के श्री हीरादास हनुमान मंदिर में महामंडलेश्वर 1००8 डॉ. स्वामी संतोषानंद देव के जन्मोत्सव पर धर्म सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान सुंदरकांड पाठ, भजन संध्या, हनुमान का छप्पन भोग और विशाल भंडारे के साथ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। देशभर से पहुंचे साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर धर्म, भक्ति और सेवा का संदेश दिया। श्री अवधूत मंडल पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी संतोषानंद देव महाराज ने कहा कि धर्म जीवन का आधार है और सेवा ही सच्ची साधना है। भगवान हनुमान की भक्ति मनुष्य में साहस, समर्पण, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का संचार करती है। सच्ची श्रद्धा और इच्छाशक्ति से कठिन से कठिन लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और संस्कारों से जुड़कर सेवा, सदाचार और राष्ट्रहित के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत सुबह से शाम चार बजे तक रक्तदान शिविर चला। भगवान हनुमान को छप्पन भोग और सवामणि अर्पित की गई। इस अवसर पर साध्वी नेहा आनंद देव, अग्नेश (मुनीम), पंडित राजेंद्र अवस्थी, स्वामी श्याम महाराज, गणेश नाथ महाराज, महंत गोविंद दास, स्वामी आशुतोष महाराज और डॉ. अमन गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

21 को होने वाली महापंचायत के लिए किसानों से किया संपर्क

रुड़की(आरएनएस)। उत्तराखंड किसान मोर्चा की 21 अक्तूबर को होने वाली महापंचायत को लेकर पदाधिकारी ने प्रचार प्रचार शुरू कर दिया है। महापंचायत को सफल बनाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों ने देहात क्षेत्र के गांवों में किसानों से संपर्क करना शुरू कर दिया है। किसानों से महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की जा रही है। उत्तराखंड किसान मोर्चा की ओर से किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कार्यालय पर धरना दिया जा रहा है। किसानों की मांगों पर कार्रवाई नहीं होने के विरोध में संगठन ने 15 अक्तूबर को महापंचायत करने का निर्णय लिया था, लेकिन किसी कारणवश इसे स्थगित करना पड़ा।अब संगठन ने 21 अक्तूबर को महापंचायत करने का ऐलान किया है। उत्तराखंड किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी गुलशन रोड ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर लंबे समय से आवाज उठाई जा रही है। किसानों को बिजली की बढ़ती दरों, स्मार्ट मीटर, गन्ना भुगतान में देरी और चकबंदी संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।इन मांगों के समाधान के लिए कई बार आवाज उठाने के बावजूद किसानों को राहत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि 21 अक्तूबर को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कार्यालय पर होने वाली महापंचायत की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। गांव-गांव जाकर किसानों से संपर्क किया जा रहा है।

आईएचएमएस के डांडिया उत्सव में परिधि एंड ग्रुप ने मचाई धूम

कोटद्वार(आरएनएस)। आईएचएमएस संस्थान में डांडिया उत्सव आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में परिधि एंड ग्रुप ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पहला स्थान हासिल किया जबकि आयुष रतूड़ी और अंशिका को बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार दिया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि डांडिया देवी दुर्गा की शक्ति और महिषासुर पर उनकी विजय का प्रतीक है। उत्सव में बीसीए द्वितीय वर्ष की छात्राओं खुशी एंड ग्रुप और प्रिया एंड ग्रुप, बीबीए प्रथम वर्ष की भूमिका एंड ग्रुप एवं बीसीए तृतीय वर्ष की परिधि एंड ग्रुप ने आकर्षक प्रस्तुति दी। निर्णायकों के अंकों के आधार पर परिधि एंड ग्रुप को बेस्ट परफॉर्मर चुना गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र जगवान, वीरेंद्र आर्य, अनुराग सेमवाल, वेदप्रकाश राठौर, कार्यक्रम समन्वयक सपना रौथाण नेगी उपस्थित रहे।

रामलीला महोत्सव: नौवें दिन राम-रावण का भीषण युद्ध डिजिटल अग्नि परीक्षा तथा मेघनाथ, कुंभकर्ण एवं रावण वध का हुआ भव्य मंचन

हमारे संवाददाता देहरादून। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून द्वारा श्री गुरु नानक मैदान, रेसकोर्स में आयोजित उत्तराखंड की ऐतिहासिक ‘भव्य रामलीला महोत्सव-2026’ के नवम दिवस को ‘साहित्य एवं फिल्म दिवस’ के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर बॉलीवुड एवं दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री नेहा सक्सेना सहित फिल्म जगत से जुड़ी प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। वहीं उत्तराखंड के लोकजीवन और संस्कृति को दर्शाने वाली फिल्म ‘घस्यारी’ का ट्रेलर भी लॉन्च किया गया। इस पहल का उद्देश्य साहित्य, लोककला और सिनेमा के माध्यम से उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक मंच देना तथा स्थानीय कलाकारों, साहित्यकारों और फिल्म निर्माताओं को प्रोत्साहित करना है।

रामलीला के नवम दिवस पर मेघनाथ वध, कुंभकर्ण वध एवं रावण वध का भव्य मंचन किया गया। आधुनिक लेजर तकनीक और डिजिटल इफेक्ट्स से सजे राम-रावण युद्ध के दृश्य दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण रहे। आकाश मार्ग से चारों ओर चमकती लेजर की बिजली, युद्ध की गर्जना और प्रकाश एवं ध्वनि के अद्भुत संयोजन ने पूरे मैदान को रोमांचित कर दिया। वहीं, डिजिटल अग्नि



के बीच माता सीता की अग्नि परीक्षा का प्रभावशाली दृश्य भी मंचन का मुख्य आकर्षण रहा। इस अवसर पर प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि पुरानी टिहरी की ऐतिहासिक संस्कृति और रामलीला की गौरवशाली परंपरा को देहरादून में इतने भव्य स्वरूप में पुनर्जीवित करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि रामलीला समिति के अध्यक्ष अभिनव थापर के भगीरथ प्रयासों से ही यह ऐतिहासिक कार्य संभव हो पाया है।

बॉलीवुड एवं दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री सुश्री नेहा सक्सेना ने कहा कि वह दक्षिण भारत से लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक कार्यक्रमों में शामिल होती रही हैं, लेकिन इतनी भव्य रामलीला उन्होंने पूरे भारत में कहीं नहीं देखी। उन्होंने इस अद्भुत आयोजन के

लिए रामलीला समिति के अध्यक्ष अभिनव थापर एवं पूरी समिति का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। रामलीला के मंचन में मेघनाथ एवं कुंभकर्ण वध के पश्चात प्रभु श्रीराम और रावण के बीच हुए भीषण युद्ध को आधुनिक लेजर तकनीक के माध्यम से शानदार ढंग से प्रस्तुत किया गया। आकाश मार्ग से चारों दिशाओं में चमकती लेजर की बिजली और राम-रावण युद्ध के डिजिटल दृश्य इतने प्रभावशाली रहे कि दर्शक मंत्रमुग्ध होकर मंचन देखते रहे। अंततः रावण वध के साथ अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश दिया गया। डिजिटल अग्नि के बीच माता सीता की अग्नि परीक्षा का दृश्य भी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना।

फिताड़ी-कासला मार्ग बदहाल, गड़ों में अटकी ग्रामीणों की राह

उत्तरकाशी(आरएनएस)। फिताड़ी-कासला मोटर मार्ग की बदहाली ने ग्रामीणों के सफर को मुश्किल और जोखिम भरा बना दिया है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे और उखड़ी सतह वाहन चालकों की परीक्षा ले रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि राहगीरों को हर कदम संभलकर चलना पड़ रहा है। बरसात में सड़क की दुर्दशा और बढ़ जाती है जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है।सड़क की बदहाली का असर केवल वाहनों की आवाजाही तक सीमित नहीं है बल्कि स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोजमर्रा के कामकाज के

लिए आने-जाने वाले ग्रामीणों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। लंबे समय से सड़क की स्थिति में सुधार नहीं होने से क्षेत्रवासियों में नाराजगी बढ़ रही है।ग्रामीणों का कहना है कि सुरक्षित आवागमन के लिए सड़क की मरम्मत अब टालने के बजाय प्राथमिकता के आधार पर की जानी चाहिए। कासला के ग्राम प्रधान मूर्ति सिंह राणा और लिवाड़ी के प्रधान प्रतिनिधि प्रमोद रावत ने सड़क की दुर्दशा पर चिंता जताते हुए जल्द मरम्मत और सुधारीकरण कार्य शुरू कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जर्जर मार्ग के कारण पूरे क्षेत्र के लोगों को

परेशानी उठानी पड़ रही है।वहीं, वेपकॉस के अधिशासी अभियंता आशीष चौधरी ने बताया कि पूर्व में कार्य आवंटित ठेकेदार काम बीच में छोड़कर चला गया था। अब दोबारा री-टेंडरिंग की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि अधिक क्षतिग्रस्त हिस्सों में तत्काल राहत देने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के माध्यम से जेसीबी लगाकर मार्ग दुरुस्त कराया जा रहा है। फिलहाल ग्रामीणों को अस्थायी राहत के बजाय सड़क के गुणवत्तापूर्ण और स्थायी सुधारीकरण का इंतजार है।

विजयदशमी उत्सव एवं शाखा दर्शन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

संवाददाता देहरादून। विजयदशमी उत्सव एवं शाखा दर्शन कार्यक्रम का भव्य आयोजन व शस्त्र पूजन के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष की यात्रा पूरी होने पर भव्य आयोजन किया गया।

आज यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, केशव नगर द्वारा विजयदशमी उत्सव एवं शाखा दर्शन कार्यक्रम का भव्य आयोजन गुरुनानक इंटर कॉलेज, चुक्खुवाला के मैदान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, द्वितीय सरसंघचालक गुरु माधव सदाशिव गोलवलकर एवं भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ।

वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत शस्त्र पूजन किया गया। कार्यक्रम में 'नगर संघ चालक चन्दर गुप्त विक्रम, नगर प्रचारक भरत एवं नगर कार्यवाह



मयंक खंडूरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने दंड, खड्ग सहित पारंपरिक शस्त्रों का पूजन, घोष वादन, दंड संचालन और शारीरिक प्रदर्शन किया। बौद्धिक कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि विजयदशमी असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है और यह संघ का स्थापना दिवस भी है। संघ की 100 वर्ष की गौरवशाली यात्रा आज 101वें वर्ष की ओर फलिभूत हो रही है और निरंतर संघ द्वारा हिंदू समाज के एकत्रीकरण

द्वारा पंच निष्ठा – पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य और स्व-बोध के कार्यों की ओर बढ़ रहा है। कार्यक्रम में केशव नगर की सभी शाखाओं के स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश – श्वेत कमीज, खाकी पेंट, काली टोपी और दंड के साथ उपस्थित रहे। स्थानीय प्रबुद्धजन, युवा और मातृशक्ति भी बड़ी संख्या में उपस्थित रही। अंत में राष्ट्र के वैभव और संगठन के विस्तार का संकल्प लेकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

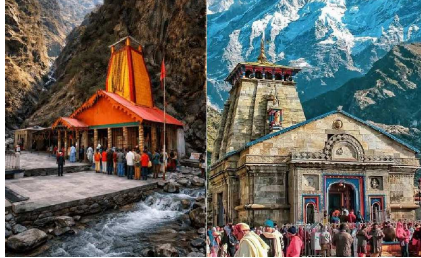
11 नवंबर को बंद होंगे यमुनोत्री-केदारनाथ धाम के कपाट

गोपीनाथ मंदिर पहुंचें भगवान रुद्रनाथ, शीतकालीन पूजा शुरू हुई

हमारे संवाददाता
उत्तरकाशी/देहरादून। राज्य में चारधाम यात्रा अब अपने समापन की ओर बढ़ रही है। इसी क्रम में यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट 11 नवंबर को भैया दूज के पावन पर्व पर शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। वहीं, चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ की उत्सव डोली चमोली जिले के गोपेश्वर स्थित शीतकालीन गद्दीस्थल गोपीनाथ मंदिर पहुंच गई है। यहां भगवान रुद्रनाथ की शीतकालीन पूजा-अर्चना शुरू हो गई है। कपाट बंद होने और उत्सव डोलियों के शीतकालीन प्रवास स्थलों पर पहुंचने के साथ ही उत्तराखंड की धार्मिक परंपराओं का विशेष दौर शुरू हो गया है।

विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट आगामी 11 नवंबर को भैया दूज के अवसर पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। विजयदशमी के दिन मंदिर समिति और तीर्थ पुरोहितों की मौजूदगी में आयोजित बैठक में कपाट बंद करने का शुभ मुहूर्त निर्धारित किया गया। तय कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 10 बजकर 28 मिनट पर अनुराधा नक्षत्र और सौम्य धनु लग्न में विधि-विधान के साथ मंदिर

के कपाट बंद किए जाएंगे। यमुनोत्री मंदिर समिति के सचिव सुनील उनीयाल ने बताया कि परंपरा अनुसार विजयदशमी के अवसर पर कपाट बंद करने की तिथि और शुभ मुहूर्त निकाला गया है। कपाट



बंद होने के बाद मां यमुना की पूजा-अर्चना उनके शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली गांव में संपन्न होगी। इससे श्रद्धालु सर्दियों के दौरान भी मां यमुना के दर्शन कर सकेंगे। उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित यमुनोत्री धाम में सर्दियों के दौरान अत्यधिक ठंड, बर्फबारी और प्रतिकूल मौसम के कारण श्रद्धालुओं की आवाजाही कठिन हो जाती है। इसी वजह से धार्मिक परंपराओं के अनुसार हर वर्ष शीतकाल के लिए मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं।

वहीं भगवान केदारनाथ धाम के कपाट भी 11 नवंबर को भैया दूज के

पावन पर्व पर शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। इसके साथ ही दोनों प्रमुख धामों में इस वर्ष की नियमित यात्रा और पूजा-अर्चना का समापन हो जाएगा। कपाट बंद होने के बाद भगवान केदारनाथ की शीतकालीन पूजा परंपरा अनुसार ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में संपन्न होगी। चारधाम यात्रा के समापन के साथ ही श्रद्धालुओं की निगाहें अब कपाट बंद होने के धार्मिक आयोजनों पर टिकी हैं। यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने के बाद मां यमुना के दर्शन के लिए श्रद्धालु खरसाली पहुंच सकेंगे, जबकि भगवान केदारनाथ के दर्शन और शीतकालीन पूजा के लिए श्रद्धालु ओंकारेश्वर मंदिर जा सकेंगे।

उधर, चमोली जिले में चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ की उत्सव डोली सोमवार, 19 अक्टूबर को गोपेश्वर स्थित गोपीनाथ मंदिर पहुंच गई। डोली के मंदिर परिसर में पहुंचते ही पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और भगवान रुद्रनाथ के जयकारों से गूंज उठा। उत्सव डोली के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता
टिहरी। पुलिस ने गैर जमानती वारंट पर एक वारंटी को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया। मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में जनपद में अपराध नियंत्रण एवं वांछित तथा न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट में वांछित वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान “ऑपरेशन प्रहार” के अंतर्गत टिहरी पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

थाना लम्बगांव पुलिस द्वारा न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट के अनुपालन में वारंटी प्रकाश सरोला पुत्र प्यार सिंह सरोला को कोडार बाजार, थाना लम्बगांव, जनपद टिहरी गढ़वाल से गिरफ्तार किया गया।

मुख्यमंत्री ने नवरात्रि की महानवमी पर किया हवन एवं कन्या पूजन

संवाददाता
देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शारदीय नवरात्रि की महानवमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में विधि-विधान से हवन एवं पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के प्रतीक के रूप में नौ कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शारदीय नवरात्रि की महानवमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में विधि-विधान से हवन एवं पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के प्रतीक के रूप में नौ कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने मां भगवती से प्रदेश की उन्नति एवं समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को महानवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवरात्रि का पर्व मातृशक्ति की आराधना और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। कन्या पूजन हमें मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा और सम्मान की प्रेरणा देता है।



शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगारों का 124दिनों से क्रमिक अनशन जारी

संवाददाता
देहरादून। शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगारों का धरना 131 दिन व क्रमिक अनशन 124 दिन भी जारी रहा। आज यहां उत्तराखंड में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगार युवाओं का अपनी मांगों को लेकर आंदोलन लगातार जारी है। संगठन के अनुसार, 4 जून से शिक्षा निदेशालय, ननूरखेड़ा, देहरादून में प्रशिक्षित बेरोजगार अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। आंदोलन के 139दिन पूरे हो चुके हैं, जबकि 124वें दिन भी क्रमिक अनशन जारी है। वर्ष 2006 से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगारों का कहना है कि लंबे संघर्ष के बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगार संगठन, उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश चंद्र पाण्डेय ने कहा कि यह संघर्ष केवल बेरोजगार युवाओं की रोजी-रोटी का सवाल नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के सरकारी विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा की स्थिति और बच्चों के सर्वांगीण विकास से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार खेल महोत्सवों के माध्यम से प्रदेश के नौनिहालों की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उनकी उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करने का प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के अनेक सरकारी विद्यालयों में शारीरिक शिक्षकों के पदों की कमी बनी हुई है। विशेषकर दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में बच्चों को खेल प्रशिक्षण और

नियमित शारीरिक शिक्षा के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की आवश्यकता है। पाण्डेय ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को निखारने, विद्यार्थियों को स्वस्थ रखने, अनुशासन विकसित करने तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास सुनिश्चित करने के लिए विद्यालयों में योग्य शारीरिक शिक्षकों की नियुक्ति अत्यंत आवश्यक है। केवल खेल आयोजन कराना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यालय स्तर पर नियमित प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शारीरिक शिक्षा को उचित स्थान देते हुए प्रदेश के प्राथमिक से लेकर इंटरमीडिएट स्तर तक के विद्यालयों में शारीरिक शिक्षकों की

नियुक्ति की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। संगठन का कहना है कि मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री की ओर से मिले आश्वासनों के बावजूद यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता और संबंधित प्रस्ताव को मंत्रिमंडल के समक्ष नहीं लाया जाता, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

भूल सुधार

दून वैली मेल के 19 अक्टूबर 2026 के अंक में भूलवश 20 अक्टूबर 2026 का अवकाश प्रकाशित हो गया था जबकि दून वैली मेल में 21 अक्टूबर 2026 को अवकाश रहेगा तथा अगला अंक पाठकों को 22 अक्टूबर 2026 को उपलब्ध होगा।

-व्यवस्थापक

रेखा आर्या के खिलाफ सोमेश्वर में उमड़ा जनसैलाब

210 करोड़ की संपत्ति की जांच की मांग

हमारे संवाददाता
अल्मोड़ा। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के खिलाफ 210 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति के मामले को लेकर आज सोमेश्वर में विरोध प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने जुलूस निकालकर मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र के विकास के नाम पर जनता को मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी हो रही है, जबकि कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या की अवैध संपत्ति के मामले में सच्चाई सामने आनी चाहिए।

जुलूस स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हुकुम सिंह बोरा के स्मारक से शुरू हुआ और मुख्य बाजार, चौराहे समेत नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने रेखा आर्या के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। जुलूस के समापन पर सोमेश्वर चौराहे पर जनसभा आयोजित की गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय पाल ने अपने संदेश में



कहा कि सोमेश्वर क्षेत्र में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल सुविधाओं को लेकर लोगों की समस्याएं बनी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि क्षेत्र के विकास कार्यों और संसाधनों के इस्तेमाल में अनियमितताएं हुई हैं तो उनकी जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र भोज ने कहा कि 210 करोड़ रुपये की कथित अवैध संपत्ति से जुड़े आरोप गंभीर हैं और इनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के सामने पूरे मामले की सच्चाई आनी चाहिए। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। वहीं, पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र बाराकोटी ने कहा कि सोमेश्वर की जनता अपने क्षेत्र के विकास और बुनियादी सुविधाओं को लेकर जवाब चाहती है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, अस्पताल, आधुनिक स्कूल, खेल मैदान और पेयजल जैसी सुविधाएं जनता की जरूरत हैं। कथित संपत्ति के मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए, ताकि जनता के बीच उठ रहे सवाल का जवाब मिल सके। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि मामले में निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन और जनसभा में कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र भोज, पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र बाराकोटी, पूर्व दर्जा मंत्री कृष्णा सिंह बिष्ट, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजू भट्ट, युवा मोर्चा विधानसभा प्रभारी भुवन दोसाध, पूर्व प्रधान संगठन अध्यक्ष प्रकाश खाती, महिला मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष प्रेमा बोरा, न्याय पंचायत अध्यक्ष श्याम सिंह दोसाध, हीरा मेहरा, राहुल आर्य, राजेंद्र सिंह, अमित कुमार, एनएसयूआई अध्यक्ष कैलाश कुमार, विजय सैजारी और अधिवक्ता नवल जोशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।

मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।